अपनी बात

अविरल हिंदी पाठमाला की शिक्षक दर्शिकाएँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं। आशा है ये शिक्षक दर्शिकाएँ पाठ्यपुस्तक के शिक्षण कार्य में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगी और मूल्यांकन की प्रक्रिया को रोचक बनाने में भी मदद करेंगी।

अविरल हिंदी पाठमाला (भाग-1) के अंतर्गत वर्णमाला, मात्राओं और संयुक्त व्यंजनों को सिखाते समय चित्रों और श्यामपट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। समूह में अभ्यास कराने से बच्चे जल्दी सीख जाते हैं। पाठ पढ़ाने से पहले उसमें आए पात्रों या विचारों के बारे में बच्चों से चर्चा करें। पाठ में आए मूल्यों और सद्‌गुणों का विकास भी छोटी-छोटी कहानियों और उससे मिलने वाली शिक्षा के द्‌वारा भी करवाया जा सकता है।

इन शिक्षक दर्शिकाओं में सभी प्रश्नों के उत्तर, व्याकरण संबंधी अभ्यास के हलों के साथ-साथ इस बात पर भी बल दिया गया है कि शिक्षक पाठों में अंतर्निहित मानवीय मूल्यों और उससे मिलने वाले संदेश की भी कक्षा में चर्चा करें ताकि विद्‌यार्थी का सर्वांगीण विकास हो और वे सकारात्मक प्रवृत्ति के धारक बन सकें। पाठों के माध्यम से भाषा के सृजन और वैचारिक पक्ष पर भी बल दिया गया है जिससे बच्चा प्रारंभ से ही अपनी बात अपनी तरह से कहने और लिखने के लिए स्वतंत्र हो।

अभ्यास कार्य के अंतर्गत पाठ्यपुस्तक में आए सभी प्रश्नों के उत्तर तो दिए ही गए हैं, कुछ पाठों में 'सोच-समझ की बात' और 'कुछ करने की बात' के अंतर्गत केवल शिक्षण संकेत दिए गए हैं। विद्‌यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इसे अपनी कल्पनाशक्ति द्‌वारा स्वयं हल करने का प्रयास करेंगे।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि ये शिक्षक दर्शिकाएँ भाषा सिखाने की दृष्टि से शिक्षकों के लिए सहायक सिद्‌ध होंगी तथा विद्‌यार्थियों को सभी भाषा कौशलों की संप्राप्ति कराने में मद्‌द करेंगी। आपकी प्रतिक्रियाओं और सुझावों का सदैव स्वागत है।

प्रकाशक

विषय-सूची

	इकाई-1 : नन्हा बचपन	**3-8**
	स्वर व्यंजन	
1.	बिना मात्रावाले शब्द	
2.	आ की मात्रा (ा)	
3.	इ की मात्रा (ि)	4
4.	ई की मात्रा (ी)	5
5.	उ की मात्रा (ु)	6
6.	ऊ की मात्रा (ू)	7
	इकाई-2 : इंद्रधनुष के रंग	**8-14**
7.	ऋ की मात्रा (ृ)	
8.	ए की मात्रा (े)	9
9.	ऐ की मात्रा (ै)	
10.	ओ की मात्रा (ो)	10
11.	औ की मात्रा (ौ)	11
12.	अनुस्वार (ं) का प्रयोग	12
13.	चंद्रबिंदु	13
14.	अः की ध्वनि	14
15.	ऑ की ध्वनि	
16.	संयुक्त अक्षर, शब्द-सीढ़ी	
	इकाई-3 : नटखट दुनिया	**15-20**
17.	कौआ देखता ही रह गया	
18.	क्या बोलें	
19.	गुणकारी सब्ज़ियाँ	
20.	आम	16
21.	कौन हारा, कौन जीता	17
22.	हाथी की बारात	
23.	शेख चिल्ली	18
24.	स्कूल बस	19
25.	उँगलियों की लड़ाई	

इकाई-1 : नन्हा बचपन

स्वर-व्यंजन

श्यामपट पर स्वर और व्यंजनों को लिखें। हर बच्चे से एक-एक वर्ण का शुद्ध और क्रम से उच्चारण करवाएँ। इससे बच्चों को वर्णमाला सरलता से याद हो जाएगी।

1. बिना मात्रावाले शब्द

- **पाठ का प्रारंभ–**बच्चों को बताइए कि इस पाठ में स्वर और व्यंजन को मिलाकर शब्द बनाए गए हैं। बच्चे 'अ ब' अलग-अलग बोलकर न पढ़ें बल्कि एक साथ 'अब' बोलें। इनके अतिरिक्त अन्य शब्द भी स्वयं बनाकर बताएँ। 'ठक' और 'ढल' शब्द को वाक्य में प्रयोग करके समझाएँ।
- **तीन, चार वर्णों वाले शब्द**

  महल, बहल, कसरत, पतझड़ आदि शब्द पढ़वाएँ। ध्यान दें कि बच्चे प्रत्येक अक्षर और उसकी शुरू की आवाज़ को पहचानें।
- **चित्रों को देखिए, समझिए और उनका नाम लिखिए।**

  बच्चे चित्र देखकर नाम बोलें और सही जगह पर वर्ण लिखकर नाम पूरा करें–मटर, कमल, उपवन, कसरत।
- **बिना मात्रावाले शब्दों से वाक्य**

  बताएँ–इस पाठ में किसी भी मात्रा का प्रयोग नहीं किया गया है। चित्र दिखाकर बच्चों को स्वयं कुछ कहने को प्रेरित करें। जिस शब्द का उच्चारण सही न हो उसे श्यामपट पर लिखें और तीन-चार बार बुलवाएँ।
- **पूछें** – उपवन को और क्या-क्या कहते हैं? कसरत करने के क्या-क्या लाभ हैं? क्या हठ (ज़िद) करनी चाहिए? सरकस में आप क्या देखते हैं? जल को और क्या कहते हैं?

  * इन प्रश्नों के उत्तर केवल मौखिक रूप से लें। इससे मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।

2. आ की मात्रा (ा)

गाजर, **तारा**, **बाजा** तथा **छाता** के चित्र दिखाकर प्रत्येक चित्र का नाम बुलवाएँ। शुरू की आवाज़ पूछें।

- **पाठ का प्रारंभ–**बच्चों से पूछें कि जब बारिश होती है तो आप क्या करते हैं? उन्हें चित्र दिखाकर पूछें कि बच्चे क्या कर रहे हैं? वे किसको बुला रहे हैं? आदि।
- **बोलिए और अंतर समझिए।**

  बच्चों को **ज-जा**, **ब-बा**, **म-मा** का अंतर बोलकर बताएँ कि जब ज में **आ** की मात्रा लगती है तो इसे लंबी आवाज़ में बोलते हैं। **जाल**, **बाल**, **मान** आदि शब्दों को बोलें फिर उनसे बुलवाएँ।

आइए अभ्यास करें।

1. **बच्चे चित्रों को देखकर उनके नामों को ढूँढ़ें और रेखा खींचें।**

2. मात्रा बरसात अनाज
   माला सामान मानव

3. (क) छाता (ख) टमाटर (ग) माला (घ) तबला (ङ) बादल

आइए कुछ करें।

1. **चित्र चिपकाइए।**
   बच्चे इस गतिविधि में बहुत आनंद लेते हैं। उनसे कहें कि दिए गए स्थान में अपने माता-पिता का चित्र चिपकाइए। जो बच्चा चित्र बनाना चाहता है तो उसे बनाने की आज्ञा दें।

2. **बच्चों से पूछें कि चावल और दाल से माँ क्या-क्या बनाती हैं? दूध और चावल मिलाकर क्या बनाती हैं? फिर उन्हें बताएँ कि चावल और दाल से खिचड़ी कैसे बनाई जाती है? दूध और चावल से खीर कैसे बनती है?**

मामा आए

गुनगुनाइए।

इस कविता में केवल आ की मात्रा के शब्द हैं। बच्चे इसे आसानी से पढ़ लेंगे। आप बच्चों को लय के साथ कविता पढ़कर दो-तीन बार सुनाएँ। फिर पूछें कि कौन आया? वह क्या-क्या लाया? फिर अनार और हलवे के बारे में प्रश्न पूछें। जैसे–

- अनार का रंग कैसा होता है? अनार का स्वाद कैसा होता है? अनार के अंदर क्या होता है?
- माँ हलवा किस-किस चीज़ का बनाती हैं?
- आपको हलवा खाना कैसा लगता है?

3. इ की मात्रा (ि)

गिलास, **सितार**, **चिड़िया** तथा **हिरण** का चित्र दिखाएँ। फिर इनकी शुरू की पहली आवाज़ बुलवाएँ। **गि**, **सि**, **चि**, **हि**। उन्हें बताएँ कि **'इ'** बोलते समय हम साँस भीतर की ओर खींचते हैं। **गिलास**, **सितार**, **चिड़िया** तथा **हिरण** आदि बोलने में बच्चों की सहायता करें। इसी प्रकार **दिन**, **पिन**, **बिल**, **मिल** आदि शब्द लय के साथ बुलवाएँ। बच्चों को स्वयं **'इ'** की मात्रा के शब्द बोलने को प्रेरित करें।

बोलिए और अंतर समझिए।

बल-**बिल**, हल-**हिल**, तल-**तिल**, हरण-**हिरण**, नकल-**निकल**, करण-**किरण** को बोलने में बच्चों की मदद करें और अंतर समझाएँ कि किस प्रकार मात्रा लगने से शब्द का अर्थ बदल जाता है।

दिन निकल आया

- **पाठ का प्रारंभ–**पाठ का एक भाग पहले आप पढ़ें। एक भाग पढ़ने के बाद प्रश्न पूछें–

  आप सुबह कितने बजे उठते हैं? क्या आप ज़िद करते हैं? क्या आप अपना सामान जगह पर रखते हैं?

  अब दूसरा भाग पढ़कर सुनाएँ और प्रश्न पूछें।

  रवि किस पर आया? वह क्या-क्या लाया?

आइए अभ्यास करें।

1. **चित्र देखकर नाम पूरे कीजिए।**

   किताब, बिटिया, डिबिया, चिड़िया

2. **रिक्त स्थान पर इ (ि) की मात्रा लगाइए।**

नारियल	किशमिश	किताब	गिलास	शनिवार	विकास
शशि	रविवार	पहिया	टिकिया	हिसाब	डाकिया

3. **सही शब्द पर गोला ◯ लगाइए।**

कितबा	खितबा	**किताब**
गिलस	**गिलास**	गिलसा
चिडिया	चिडय	**चिड़िया**
सितार	सितर	सितरा

आइए कुछ करें।

चित्रों में रंग भरिए और वाक्य पूरे कीजिए–बच्चे चित्रों में अपने मनपसंद रंग भरें। फिर वाक्य पूरे करें।

तकिया उधर रख।　　चिड़िया दाना लाई।　　सलिल किताब ला।

डाकिया पत्र लाया

गुनगुनाइए।

आप कविता गाकर सुनाएँ। फिर बच्चों से बुलवाएँ। कविता याद होने पर सुनें। प्रश्न पूछें।

– डाकिया क्या लाता है?　　– डाकिया कैसे कपड़े पहनता है? आदि।

4. ई की मात्रा (ी)

हाथी, **मछली**, **परी** और **घड़ी** के चित्र दिखाएँ। उन्हें बताएँ कि **'इ'** बोलते समय साँस अंदर लेते हैं, जबकि **'ई'** बोलते समय साँस बाहर छोड़ते हैं।

तीर, **नीर**, **चीर**, **वीर** आदि शब्द दो-तीन बार बुलवाएँ। श्यामपट पर अन्य शब्द भी लिखें। बच्चों से भी लिखने का अभ्यास करवाएँ।

बोलिए और अंतर समझिए।

पहले की भाँति **'ि'** और **'ी'** का अंतर शब्दों के उच्चारण द्वारा समझाएँ।

बकरी की शादी

पाठ का प्रारंभ–पूछें–किसकी शादी थी? कौन-कौन बाराती बनकर आया? चीता क्या लाया? शहनाई किसने बजाई? नगाड़ा किसने बजाया? आपको शादी कैसी लगी? आदि।

आइए अभ्यास करें।

1. **चित्रों को उनके उचित नाम के साथ रेखा खींचकर मिलाइए।**

   बच्चे चित्रों को देखकर उनके नामों को ढूँढ़ें और रेखा खींचें।

2. **चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए।**

   (क) घड़ी (ख) गाड़ी (ग) छड़ी (घ) हाथी (ङ) सीटी

3. **रिक्त स्थान पर ई (ी) की मात्रा लगाइए।**

   तितली लड़की अलमारी बबीता नदी

   भीतर पीपल राखी चीनी

आइए कुछ करें।

चित्रों के स्थान पर शब्द सोचकर गुनगुनाइए।

यह पहेली मछली के बारे में है। आप बच्चों को गाकर सुनाएँ और पहेली बूझने में उनकी मदद करें।

नानी आई

गुनगुनाइए।

यह कविता केवल गाने के लिए है। इसे दो-तीन बार बुलवाकर याद करवाएँ।

रचनात्मक कार्य।

- **ये सभी अपना घर भूल गए हैं। इन्हें इनके घर तक पहुँचाइए।**

  बच्चों से पहले मौखिक रूप से पूछें कि किसका घर कौन-सा होता है? चित्र दिखाकर बताएँ–मछली का घर **पानी**, शेर का घर **गुफा**, चिड़िया का घर **घोंसला**, घोड़े का घर **अस्तबल**, फिर रेखा खींचकर उन्हें सही रास्ते से पहुँचाने को कहें।

5. उ की मात्रा (ु)

बच्चों को **कछुआ**, **पुल**, **चुहिया**, **गुड़िया** का चित्र दिखाएँ और नाम पढ़कर बोलने को कहें। **गुड़िया**,

गुलाब के फूल का चित्र दिखाकर उसके नाम की शुरू की आवाज़ पूछें। शुरू की आवाज़ है–**गु**। इसी प्रकार **'उ'** की मात्राओं के अन्य शब्द लेकर श्यामपट पर लिखें और बच्चों से उनके नाम बुलवाएँ।

बोलिए और अंतर समझिए।

कल–**कुल**, धन–**धुन**, पल–**पुल**, गम–**गुम** आदि शब्दों का अंतर बोलकर स्पष्ट करें।

गुड़िया नाच उठी

पाठ का प्रारंभ

पूछें–क्या आप गुड़िया से खेलते हैं? उसे कैसे सजाते हैं? फिर कहें–कि आज हम एक पाठ पढ़ेंगे–**गुड़िया नाच उठी**। प्रश्न पूछें–सुमन कौन थी? वह क्या लाई? मधु क्यों खुश हुई? मधु की बुआ क्या लाई?

आइए अभ्यास करें।

1. **चित्रों को पहचानकर सही शब्द रिक्त स्थान में लिखिए।**

   (क) **मुरली** की धुन सुन। (ख) **सुराही** का पानी पी। (ग) **चुहिया** कपड़ा कुतर गई। (घ) **कछुआ** रुक गया।

2. **चित्रों के नाम पूरे कीजिए।**

   गुलाब, कुली, मुरली, पुल, कुटिया।

आइए कुछ करें।

नीचे दिए शब्द पढ़कर चित्र बनाइए।
इस गतिविधि को बच्चे स्वयं करेंगे। चित्र बनाने में उनकी सहायता करें।

बुलबुल

गुनगुनाइए।

कविता लय के साथ बच्चों को गाकर सुनाएँ। बच्चे बोलें और याद करें।

6. ऊ की मात्रा (ू)

फूल, **तरबूज़**, **चूहा**, **भालू** का चित्र दिखाएँ और उनके नाम बार–बार बुलवाएँ। इसके साथ ही लेखन पर भी ध्यान दें। बच्चे पहले शुद्ध उच्चारण करें फिर लिखें।

ध्यान रखिए।

र् (अ रहित) के साथ जब **उ** या **ऊ** की मात्रा लगाई जाती है तो अन्य व्यंजनों की तरह नीचे नहीं लगती, बल्कि आगे लगाई जाती है। श्यामपट पर लिखें–**रुक**, **रूठा**।

बोलिए और अंतर समझिए।

बच्चे इस अभ्यास से परिचित हैं। पहले की तरह यह अभ्यास करवाइए।

भूखा चूहा

पाठ का प्रारंभ–श्यामपट पर चूहे का चित्र बनाएँ। फिर पूछें क्या आपने चूहे देखे हैं? जब चूहे भूखे होते हैं तो क्या करते हैं? बच्चों से उनके अनुभव सुनें। उसके बाद पाठ पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पुस्तक देखते हुए सुनें।

आइए अभ्यास करें।

1. **चित्र के नाम पर (✓) का निशान लगाइए।**

   तरबूज़ (✓) फूल (✓) सूरज (✓)

2. **तुक मिलाकर आगे बढ़िए।**

फूल	धूल	भूल	झूल
आलू	भालू	कालू	चालू

आइए कुछ करें।

वाक्य पढ़कर सूरज का चित्र बनाइए।

इस गतिविधि को पुस्तक के पृष्ठ 38 पर दिए अध्यापन संकेत के आधार पर करवाइए।

रचनात्मक कार्य

बच्चे फूलों में मनपसंद रंग भरें।

इकाई–2 : इंद्रधनुष के रंग

खेलें खेल

बच्चे चित्र देखें, पहचानें और खिलौनों के नाम बताएँ।

7. ऋ की मात्रा (ृ)

हिंदी में **ऋ** से शुरू होने वाले बहुत कम शब्द हैं। अधिकतर बच्चे **ऋ** का उच्चारण करने और लिखने में गलती करते हैं। श्यामपट पर **ऋ** लिखें और **ऋ** से शुरू होने वाले कुछ शब्द भी लिखें। जैसे–**ऋषि**, **ऋचा**, **ऋतु** आदि। फिर इन शब्दों का बार-बार उच्चारण करवाएँ। देखें कि बच्चे शब्दों का सही उच्चारण करें।

पेड़ का चित्र दिखाकर बताएँ कि इसे **वृक्ष** भी कहते हैं। इसी प्रकार राजा को **नृप**, किसान को **कृषक**, तिनके को **तृण** और हिरन को **मृग** कहते हैं। अब इन शब्दों को वाक्य में प्रयोग करके दिखाएँ। फिर लिखवाएँ।

आइए अभ्यास करें।

चित्र देखकर एक नाम और लिखिए।

हिरन–**मृग**, किसान–**कृषक**, राजा–**नृप**, तिनका–**तृण**

8. ए की मात्रा (े)

पेड़, **शेर**, **सेब**, **केले** के चित्र दिखाएँ और नाम पूछें। इनकी शुरू की आवाज़ बुलवाएँ। जैसे–**पेड़** की **पे**, **शेर** की **शे**, **सेब** की **से**, **केले** की **के** आदि। न मालूम होने पर बताएँ। **ए** की मात्रा (े) के शब्दों का बार–बार उच्चारण करवाएँ।

बोलिए और अंतर समझिए।

पहले बताई गई विधि द्वारा अंतर स्पष्ट करें।

मीठे जामुन

पाठ का प्रारंभ–जामुन और केले के चित्र दिखाकर उन पर प्रश्न करें। पूछें–जामुन किस–किसने खाएँ हैं? जामुन का स्वाद कैसा होता है? जामुन का पेड़ किस–किसने देखा है? इसी प्रकार केले के बारे में पूछें। केले के छिलके सड़क पर क्यों नहीं गिराने चाहिए? फिर पाठ पढ़ाएँ और प्रश्न पूछें–जामुन के पेड़ पर कौन चढ़ा? रेशमा क्या लाई? रमेश ने सबको क्या समझाया? आदि।

आइए अभ्यास करें।

1. **चित्रों को उनके उचित नाम के साथ रेखा खींचकर मिलाइए। बच्चे चित्रों को देखकर उनके नाम ढूँढ़ें और रेखा खींचें।**
2. **जो फल हम छीलकर खाते हैं, उन पर (✓) का निशान लगाइए।**

केला (✓)   अनार (✓)   पपीता (✓)

आइए कुछ करें।

रेलगाड़ी के डिब्बों में बैठे जानवरों के नाम का पहला अक्षर लिखिए।

1. च   2. ब   3. ज   4. भ   5. क   6. ह   7. च

रेल चली

गुनगुनाइए।

पहले बताई गई विधि से कविता गाकर सुनाएँ और याद करवाएँ। रेल से संबंधित कोई अन्य कविता भी बच्चों को सुनाई जा सकती है।

9. ऐ की मात्रा (ै)

पहले की तरह **थैला**, **मैना**, **बैल**, **पैसा** दिखाकर शुरू की आवाज़ पुष्ट करें। **थै**, **मै**, **बै**, **पै** बुलवाएँ। पाठ में दिए शब्दों के अलावा ऐ की मात्रा (ै) के अन्य शब्द भी बोलें।

बोलिए और अंतर समझिए।

पहले बताई गई विधि के द्‍वारा यह अभ्यास कराइए।

नैनीताल की सैर

पाठ का प्रारंभ–बच्चों को चित्र दिखाएँ और पूछें इसमें बच्चे क्या कर रहे हैं? क्या आप कभी नैया में बैठे हैं? आदि। बच्चों ने (में) अं की मात्रा (ं) अभी सीखी नहीं है। इसे पढ़ने में सहायता कीजिए।

आइए अभ्यास करें।

1. **नीचे दिए शब्दों में से ऐ (ै) की मात्रावाले शब्द ढूँढ़कर नीचे लिखिए।**

   मैदान, हैदराबाद, गवैया, पैदल, शैतान

2. **चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए और उन्हें पढ़िए।**

   (क) **थैला** लेकर चल। (ख) वैभव के पास **कैमरा** है। (ग) **सैनिक** देश की रक्षा करता है।

आइए कुछ करें।

रेखाओं को जोड़कर नैया का चित्र पूरा कीजिए और उसमें रंगीन कागज़ के टुकड़े फाड़कर चिपकाइए।

– बच्चे बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करें। फिर रंगीन कागज़ के टुकड़े फाड़कर चिपकाएँ।

10. ओ की मात्रा (ो)

ढोलक, **तोता**, **कोयल**, **मोर** की शुरू की आवाज़ बुलवाएँ–**ढो**, **तो**, **को**, **मो**। अब लिखने की विधि सिखाएँ। इन शब्दों का बार-बार उच्चारण करवाएँ। पुस्तक का पृष्ठ-53 देखने को कहें। बच्चे अब स्वयं पढ़ने का प्रयास करें।

बोलिए और अंतर समझिए।

पहले बताई गई विधि के अनुसार कराएँ।

नाचो गाओ होली है

पाठ का प्रारंभ–पूछें–आपके घर में कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं? आप त्योहार कैसे मनाते हैं? होली का त्योहार कौन-कौन मनाता है? कैसे मनाते हो?

फिर चित्र दिखाकर पूछें कि कौन क्या कर रहा है? बच्चों के शुद्‍ध उच्चारण पर ध्यान दें।

आइए अभ्यास करें।

1. **चित्रों को देखकर उसके पहले अक्षर में 'ओ' की मात्रा का चिह्न लगाकर नए शब्द बनाइए।**

   बोतल, डोली, ओखली

2. खाली स्थान पर ओ (ो) की मात्रा लगाकर पढ़िए।

छत पर आया देखो चोर

कोयल, तोता, मचाए शोर,

रोक-रोक चोर को रोक।

आइए कुछ करें।

पक्षियों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए। (देखिए पृष्ठ-56 अध्यापन संकेत)

1. कठफोड़वा 2. तोता 3. मैना 4. चिड़िया 5. मोर

11. औ की मात्रा (ौ)

नौका, **हथौड़ा**, **कौआ**, **चौकीदार** आदि का चित्र दिखाएँ और नाम पूछें। शुरू की आवाज़ बुलवाएँ–**नौ**। बताएँ कि नौका को नाव, नैया भी कहते हैं। हथौड़ा हमारे बहुत काम आता है। कौआ एक पक्षी है। इसकी शुरू की आवाज़ बुलवाएँ–**कौ**। इसी प्रकार **चौकीदार** का चित्र दिखाएँ। पूछें–यह किसका चित्र है? अब इसकी शुरू की आवाज़ बताने को कहें–**कौ**। बताएँ कि चौकीदार हमारे घर की देखभाल करता है।

समझिए और पढ़िए।

पुस्तक में दिए औ की मात्रा (ौ) के शब्दों को दो-तीन बार बुलवाएँ। ध्यान दें बच्चे '**औ**' को '**अऊ**' न बोलें।

मौसी का घर

पाठ का प्रारंभ–बच्चों से कचौड़ी और पकौड़ी के बारे में चर्चा करें। पूछें–क्या उन्हें कचौड़ी और पकौड़ी खाना पसंद हैं? उन्हें कौन-कौन से खिलौने पसंद हैं? आदि। **बिजनौर**, **शौक** आदि शब्दों के उच्चारण में सहायता करें।

बोलिए और अंतर समझिए।

पहले बताई गई विधि के अनुसार यह अभ्यास कराइए।

आइए अभ्यास करें।

1. दिए गए चित्रों के नाम लिखिए।

पौधा, नौका, तौलिया, चौकीदार

2. खाली स्थान पर औ (ौ) की मात्रा लगाइए फिर पढ़िए।

चौधरी दौड़ा-दौड़ा चौपाल पर आया। सौदागर उसके साथ आया। सौदागर के पास अनेक खिलौने थे। सौदागर ने चौड़ी चौकी पर बिछौना बिछाया। उस दिन मौसम सुहावना था।

3. सही वर्णों को मिलाकर शब्द तक रेखा खींचिए।

लौकी, चौकी, मौका, नौका

खिलौनेवाला

गुनगुनाइए।

पहले बताई गई विधि द्‌वारा कविता सस्वर गाएँ और याद करवाएँ।

आइए कुछ करें।

बिंदुओं को जोड़कर चित्र पूरा कीजिए और फलों के नाम लिखिए।

बच्चे बिंदुओं को जोड़ते हुए चित्र पूरा करें और फलों के नाम लिखें। चाहें तो उसमें रंग भी भर सकते हैं।

सेब, अंगूर, केला, अनार, पपीता

12. अनुस्वार (ं) का प्रयोग

पंख, **हंस**, **बंदर**, **पंखा** आदि का चित्र दिखाते हुए उसका नाम बच्चों से पूछें। बताएँ कि इसे अनुस्वार कहते हैं।

समझिए और पढ़िए।

पुस्तक में दिए शब्दों को बच्चों से बुलवाएँ।

बोलिए और अंतर समझिए।

पहले बताई गई विधि से यह अभ्यास करवाएँ।

बाग की सैर

पाठ का आरंभ–बच्चों से पूछें कि जब वे बाग में सैर करने जाते हैं तो क्या-क्या देखते हैं? क्या उन्होंने कभी नाचता हुआ मोर देखा है? किस-किसने हाथी की सवारी की है? आदि। इसी प्रकार पाठ पढ़ाते हुए बीच-बीच में से प्रश्न पूछें।

आइए अभ्यास करें।

रंगीन वर्णों पर अनुस्वार (ं) लगाइए।

अंक	दंग	मंदिर	पंख	संग
अंकुर	अंगीठी	बंगाल	मंगलवार	संतरा
संदीप	हिंदी	गंगा	पतंग	दंगल

आइए कुछ करें।

1. हाथवाला जापानी पंखा और छत पर लगे पंखे का चित्र चिपकाने को कहें।

2. सप्ताह के दिनों को पूरा कीजिए।

सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार

चंदू की पतंग

गुनगुनाइए।

कविता सस्वर गाकर याद करवाएँ।

13. चंद्रबिंदु (ँ)

माँ, **गाँव**, **आँख**, **चाँद** आदि का चित्र दिखाएँ फिर नाम बोलें और बताएँ कि इन्हें बोलते समय स्वर की आवाज़ के साथ-साथ नाक से भी आवाज़ आती है। चंद्रबिंदु का प्रयोग केवल आ (ा) की और ऊ (ू) की मात्राओं के साथ होता है। किसी अन्य मात्राओं के साथ इसका प्रयोग नहीं होता।

साँप और चिड़ा

पाठ का प्रारंभ—बच्चों को पाठ पढ़कर सुनाएँ। बीच-बीच में आए चंद्रबिंदुओं पर ध्यान दिलवाएँ। बाद में उनसे पाठ पढ़वाएँ। बीच-बीच में प्रश्न पूछें। चिड़िया ने कितने अंडे दिए? चिड़िया और चिड़ा क्यों चिंतित थे? चिड़ा ने रानी का हार साँप के बिल में क्यों डाल दिया? सिपाहियों ने साँप का क्या किया? आदि।

आइए अभ्यास करें।

1. सही जगह पर चंद्रबिंदु (ँ) लगाइए।

काँच	छँटाई	गाँठ	काँटा
जँचना	तालियाँ	माँगना	सूँड़
भँवरा	दाँत	धँसना	पहुँचा

2. सही शब्द पर गोला ◯ लगाइए।

ऊँट	**ऊँट**	ऊटँ
छाँव	छावँ	छँाव
कुँआ	कुआँ	**कुआँ**
हँसना	हसँना	हसनाँ

आइए कुछ करें।

बच्चे स्वयं चाँद के चित्र बनाएँ।

14. अः की ध्वनि (:)

अजय और आँचल

पाठ का प्रारंभ—इस पाठ में आए विसर्ग वाले शब्द पहले स्वयं पढ़कर बताएँ फिर बच्चों से बुलवाएँ। दो-तीन बार बुलवाकर श्यामपट पर लिखें। **प्रातः**, **अतः**, **पुनः**, **अंततः**, **शनैः शनैः** शब्दों के अर्थ समझाएँ।

आइए अभ्यास करें।

दिए गए शब्दों का उच्चारण करते हुए शब्द लिखवाएँ।

आइए कुछ करें।

चित्र देखकर बातचीत कीजिए और रंग भरिए।

बच्चों को चित्र देखने को कहें। पूछें—प्रातःकाल होने पर क्या-क्या होता है? चित्र के नीचे दिए संकेतों को देखकर बच्चे आपस में चर्चा करें और रंग भरें।

15. ऑ की ध्वनि (ॉ)

पाठ का प्रारंभ—बच्चों को आगत वर्ण के बारे में बताएँ कि हिंदी के 'आ' और 'ओ' ध्वनि के बीच का चिह्न 'ॉ' है। पहले स्वयं बच्चों को **कॉटन**, **हॉकी**, **गॉड**, **कॉफी**, **कॉमन** आदि शब्दों का उच्चारण करके दिखाएँ। फिर उनसे बुलवाएँ। डाल-**डॉल**, हाल-**हॉल**, बाल-**बॉल** आदि शब्दों का अंतर स्पष्ट करें।

16. संयुक्त अक्षर

बच्चों को बताएँ कि क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्ताक्षर हैं। इनका उच्चारण बच्चों के लिए थोड़ा कठिन है इसलिए इन्हें कई बार बुलवाएँ। फिर लिखवाएँ। पृष्ठ-72 पर दिए अन्य शब्दों को भी इसी प्रकार पढ़वाएँ।

आओ दोहराएँ।

अब बच्चे सभी मात्राओं से परिचित हो चुके हैं। पृष्ठ-73 पर दिए वाक्यों को बच्चों से पढ़वाएँ फिर लिखने को कहें।

शब्द-सीढ़ी

यह अभ्यास बच्चों के लिए नया है। उन्हें बताएँ कि सीढ़ी पर लिखे शब्द-कलश की आखिरी आवाज़ **श** से अगला शब्द बना है। बच्चों से सभी शब्द पढ़वाएँ और आखिरी आवाज़ पर ज़ोर दें। चित्र देखकर बच्चों से शब्द-सीढ़ी पूरी करने को कहें। आम, महल, लड़का, कान, नथ लिखवाएँ।

इकाई-3 : नटखट दुनिया

17. कौआ देखता ही रह गया

पाठ का प्रारंभ—बच्चों से पूछें कि कौआ किस रंग का होता है? उसकी बोली कैसी होती है? उसकी बोली सुनकर औरतों को गुस्सा क्यों आ गया? आदि।

आइए अभ्यास करें।

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

(क) तालाब, कुआँ

(ख) कौए की काँव-काँव सुनकर औरतों को गुस्सा आ गया। उन्होंने उसे वहाँ से भगा दिया।

(ग) घड़े में पानी बहुत कम था।

(घ) घड़े का पानी तोता पी गया।

2. **सही शब्द चुनकर खाली जगह भरिए।**

(क) गरमी (ख) औरतें (ग) कंकड़ (घ) गाँव

3. **सोचकर बताइए।**

(क) बच्चों को 'प्यासा कौआ' की कहानी सुनाएँ। फिर उनसे उस कहानी और इस कहानी में अंतर पूछें।

(ख) बच्चे स्वयं बताएँ।

आइए कुछ करें।

1. **चित्र देखिए और मौसम का नाम लिखिए।**

बच्चों को चित्र देखकर नाम लिखने को कहें। सरदी, गरमी, बरसात, पतझड़।

2. **जिनका अर्थ एक जैसा हो उनमें एक जैसा रंग भरिए।**

पानी – जल थोड़ा – कम गुस्सा – क्रोध जानवर – पशु

18. क्या बोलें

यह कविता केवल आनंद के लिए है। बच्चों को कविता गाकर सुनाएँ। बच्चे सुनकर उसे कंठस्थ करें। साथ-साथ बच्चों से पशु-पक्षियों की बोलियों पर भी चर्चा करें।

19. गुणकारी सब्ज़ियाँ

पाठ का प्रारंभ—बच्चों से सब्ज़ियों के बारे में चर्चा करें। उनके नाम पूछें। फिर उन्हें सब्ज़ियों के बारे में बताएँ कि सब्ज़ियाँ हमारे शरीर के लिए बहुत फ़ायदेमंद होती हैं। हरी सब्ज़ियाँ हमें खूब खानी चाहिए।

आइए अभ्यास करें।

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   (क) नेहा को लौकी की सब्ज़ी खाना पसंद नहीं था।

   (ख) हम खाना नहीं खाएँगे तो कमज़ोर पड़ जाएँगे।

   (ग) सब्ज़ियाँ हमें बीमारियों से दूर रखती हैं।

   (घ) घर में बना भोजन साफ़ और ताकतवर होता है।

2. **इस पाठ में से संयुक्त वर्णवाले शब्द चुनकर लिखिए।**

   सब्ज़ी, अच्छा, स्वाद, तुम्हें

3. **आपको क्या खाना अच्छा लगता है? उस पर सही (✓) का चिह्न लगाइए।**

   बच्चों से अलग-अलग पूछें कि किसको क्या खाना अच्छा लगता है। फिर उस पर (✓) का चिह्न लगवाएँ।

4. **इस शब्द-पहेली में आठ सब्ज़ियों के नाम छिपे हैं। इन्हें ढूँढ़कर लिखिए।**

शब्द-पहेली

बच्चों से ऊपर से नीचे और बाएँ से दाएँ देखते हुए सब्ज़ियों के नाम ढुँढ़वाएँ और लिखवाएँ।
मटर, टमाटर, पालक, फूलगोभी, गाजर, शलगम, आलू, तोरई।

आइए कुछ करें।

- **नीचे चित्र में सभी को भूख लगी है। उन्हें उनके भोजन तक पहुँचाइए।**

  इस अभ्यास को कराने से पहले बच्चों को बताएँ कि जिस प्रकार हमें कुछ चीज़ें खाना अच्छा लगता है, उसी प्रकार जीव-जंतुओं को भी अपना मनपसंद भोजन करना अच्छा लगता है। फिर **बकरी** के चित्र से **घास** तक, **चींटी** के चित्र से **मिठाई** तक, **खरगोश** के चित्र से **गाजर** तक तथा **हाथी** के चित्र से **ईख** तक रेखा खिंचवाएँ।

20. आम

कविता का प्रारंभ–बच्चों से आम के बारे में चर्चा करें कि इसे राष्ट्रीय फल क्यों कहा जाता है? हम आम से कौन-कौन सी बनी चीज़ें खाते हैं। आम कौन-कौन से रंग के होते हैं? माँ कौन-से रंग के आम से अचार डालती हैं? फिर उन्हें कविता गाकर सुनाएँ। दो-तीन बार बुलवाएँ और याद करवाएँ।

आइए अभ्यास करें।

सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) आम (ख) हरा आम

21. कौन हारा, कौन जीता

पाठ का प्रारंभ–बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ। बच्चे इस कहानी को सुनने में खूब आनंद लेंगे। चित्र दिखाएँ, चित्रों के बारे में बताएँ। पूछें–हाथी का नाम क्या था? शेर को मज़ा चखाने की तरकीब हाथी को किसने बताई? हाथी ने शेर के आगे क्या शर्त रखी? आदि। कहानी सुनाने के बाद पूछें–क्या वास्तव में हाथी के चिंघाड़ने पर बंदर नीचे गिर गया होगा और शेर के दहाड़ने पर नहीं? देखें, बच्चे क्या उत्तर देते हैं।

आइए अभ्यास करें।

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   (क) शेर सभी जानवरों से शर्त लगाता था और उनके हार जाने पर उन्हें मारकर खा जाता था। इसलिए सभी जानवर शेर से परेशान थे।

   (ख) शेर ने हाथी से कहा कि सामने पेड़ पर एक बंदर है। हम दोनों बारी-बारी से ऊँची आवाज़ निकालेंगे जिसकी आवाज़ से पेड़ पर बैठा बंदर नीचे गिर जाएगा, वही जीतेगा।

   (ग) शेर के दहाड़ने पर बंदर ने पेड़ की डाल कसकर पकड़ ली।

2. **किसने, किससे कहा?**

   (क) बंदर ने हाथी से कहा। (ख) हाथी ने शेर से कहा। (ग) शेर ने हाथी से कहा।

3. **पढ़िए और समझिए।**

   यह अभ्यास मौखिक करवाएँ। अभी आप लिंग शब्द का प्रयोग न करें।

4. **गाय–रँभाना, बकरी–मिमियाना, घोड़ा–हिनहिनाना, कुत्ता–भौंकना, गधा–रेंकना**

   इन पशुओं की बोलियों की चर्चा करते हुए रेखा खींचकर मिलान करवाएँ।

आइए कुछ करें।

बच्चों से जाड़ों के दिनों और गरमी के दिनों में पहने जाने वाले कपड़ों के विषय में बातचीत करें। पूछें–गरमी में आप कौन-कौन से कपड़े पहनते हैं? सरदी के दिनों में आप कौन-कौन से कपड़ों का प्रयोग करते हैं?

1. पृष्ठ 96 पर दिए चित्र दिखाकर स्वेटर और टोपी पर (✓) का चिह्न लगवाएँ।
2. इस अभ्यास को बच्चे स्वयं करें।

22. हाथी की बारात

कविता का प्रारंभ–बच्चों को कविता गाकर सुनाएँ। फिर पूछें–किसकी शादी थी? बिल्ली किसको साथ लाई? चित्र दिखाकर पूछें–बाल किसके बिखरे हुए हैं? आदि। फिर कविता याद करवाएँ और चर्चा करें कि आप किसी शादी में कैसे तैयार होकर जाते हैं?

1. **सही चित्र पर (✓) का चिह्न लगाइए।**

   (क) गीदड़   (ख) चिड़िया   (ग) बिंदिया

2. **उदाहरण के अनुसार समान तुकवाले शब्द लिखिए।**

   हाथी – साथी   सब – कब   छोटे – मोटे   बाल – चाल

23. शेख चिल्ली

बच्चों से एक-एक करके सभी चित्र देखने को कहें। उन्हें बताएँ कि इन चित्रों में एक कहानी है। हर चित्र के साथ कुछ लिखा है, उसे पढ़वाएँ। अब चित्रों के बारे में प्रश्न भी पूछ सकते हैं। जैसे–

– शेख चिल्ली को किसका अंडा मिला?

– शेख चिल्ली के सारे सपने चूर-चूर क्यों हो गए?

– शेख चिल्ली उदास क्यों हो गया?

1. **कहानी में पहले क्या हुआ, फिर क्या हुआ? 1, 2, 3 ... लिखकर बताइए।**

   यह अभ्यास पहली बार आया है। बच्चों से वाक्य पढ़वाएँ। फिर पूछें–कहानी कहाँ से शुरू हुई थी? जब बच्चे पहला वाक्य बता दें तो उस पर [1] लिख दें। इसी प्रकार सभी वाक्यों का क्रम लिखवाएँ।

   [5] शेख चिल्ली के हाथ से अंडा गिर पड़ा।

   [2] शेख चिल्ली ने सोचा कि मैं अंडे बेचकर व्यापार करूँगा।

   [1] एक दिन शेख चिल्ली को मुरगी का अंडा मिला।

   [6] अंडा टूटने से शेख चिल्ली उदास हो गया।

   [3] शेख चिल्ली ने सोचा कि मैं शहर का सबसे अमीर व्यापारी बन जाऊँगा।

   [7] कुछ देर बाद उसे फिर से नींद आ गई।

   [4] सपना देखते-देखते शेख चिल्ली खुशी से उछल पड़ा।

2. **पढ़िए, समझिए और लिखिए।**

   (ं)   अंडा   झंडा   डंडा   घंटा

   (च्च)   बच्चा   सच्चा   कच्चा   पच्चीस

3. **एक और अनेक–इस अभ्यास में बच्चों से पहले दिए गए शब्दों के बहुवचन मौखिक रूप से पूछें फिर लिखवाएँ।**

एक	**अनेक**	**एक**	**अनेक**
अंडा	अंडे	बच्चा	बच्चे
सपना	सपने	तारा	तारे

24. स्कूल बस

कविता का प्रारंभ–इस कविता को गाकर सुनाएँ। पूछें–आप स्कूल कैसे जाते हैं? आपके स्कूल की बस का रंग कैसा है? बस में किस प्रकार बैठना चाहिए? आदि। इसके अतिरिक्त यातायात के साधनों पर भी चर्चा करें। उन्हें यातायात के साधनों से अवगत कराएँ।

आइए अभ्यास करें।

1. **सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए।**

   (क) स्कूल (ख) साफ़ (ग) चुप होकर

2. **रेखा खींचकर सही मिलान कीजिए।**

   चित्रों को नाम से रेखा खींचकर मिलाने को कहें।

3. **किसमें कितने पहिए होते हैं? सही संख्या पर गोला ◯ लगाइए।**

   स्कूटर (2) रिक्शा (3) बस (6) कार (4)

आइए कुछ करें।

बच्चों से रेखाओं को मिलाकर चित्र पूरा करने और रंग भरने को कहें।

गिनती

सही क्रम से गिनती लिखकर खाली जगह भरिए।

एक पेड़ है। उस पर **दो** कबूतर रहते हैं। उनके घोंसले में **तीन** बच्चे हैं। एक दिन **चार** शिकारी आए। अपने जाल में **पाँच** चिड़ियाँ कैद कर लाए। चुपके से **छह** लड़के उधर आए। अपने साथ **सात** अमरूद लाए। उनके साथ **आठ** मित्र आए। **नौ** चूहे भी उधर आ गए। लड़कों ने एक अमरूद के **दस** टुकड़े किए और चूहों को खिलाए। सारे चूहे अमरूद खाकर खुश हुए। लड़कों ने उनसे जाल कुतरवाया। चिड़ियाँ आकाश में उड़ गईं।

25. उँगलियों की लड़ाई

पाठ का आरंभ–बच्चों को यह पाठ पढ़कर बताएँ कि एकता में शक्ति होती है। कोई भी काम हम अकेले नहीं कर सकते। हमें मिल-जुलकर रहना चाहिए।

आइए अभ्यास करें।

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   (क) सभी अपने को बड़ा बता रही थीं।

   (ख) बड़ी उँगली के साथ वाली उँगली से रोली, तिलक लगाया जाता है।

   (ग) लिखने, पकड़ने का काम अँगूठे के साथ वाली उँगली से होता है।

2. देखिए और समझिए।

यह उलटे अर्थवाले शब्दों का अभ्यास है—बड़ा × छोटा, खुश × उदास, पास × दूर, बंद × खुला।

3. इन शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) अमन नमन से **लंबा** है। (ख) मेरे पास **बड़ी** पेंसिल है।

आइए कुछ करें।

1. बच्चों को मिलकर खेलने वाले दो खेलों के बारे में बताने को कहें और उनके चित्र पुस्तिका में लगवाएँ।
2. बच्चे स्वयं करें।

कबूतर और जाल

चित्र देखकर कक्षा में कहानी सुनाइए।

इस चित्रकथा में संगठन में शक्ति के बारे में दिखाया गया है। एक बार कबूतर शिकारी के जाल में फँस गए। उन्होंने मिलकर ज़ोर लगाया और जाल को ही लेकर उड़ गए। शिकारी देखता ही रह गया। कुछ दूर उनका मित्र चूहा रहता था। उन्होंने वहाँ पहुँचकर चूहे को आवाज़ लगाई। चूहा अपने मित्रों को भी बुला लाया। सबने मिलकर जाल काट दिया। इससे स्पष्ट है कि संगठन में शक्ति होती है। इस प्रकार बच्चों से चर्चा करें जिससे उनमें मेलजोल की भावना का विकास हो।

बूझिए तो जानें

बच्चों को पहेलियों का उत्तर देने में बहुत मज़ा आता है। बच्चों से पहले पहेलियाँ पूछें। उन्हें सोचने का मौका दें। न आने पर उत्तर बताएँ और चित्र के रूप में दिए गए उत्तर से रेखा खींचकर मिलवाएँ।